॥ ॐ ॥ श्री गुरुचरण कमलेभ्यो नमः ॥ 卐 ॥

शरद् नवरात्री - 2025

दि. 22.09.2025 से दि. 01.10.2025 तक

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)

विश्वावसु नाम संवत्सर

शालीवाहन शक संवत् 1943

सभी साधक गुरु बन्धु / भगिनियों.....

शरद नवरात्री की साधनात्मक शुभकामनायें.....

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद के सौजन्य से गत तीन-चार नवरात्रियों से साधकों को तारा साधना के माध्यम से कुछ अनुभव कराये है। जिसकी प्रशंसा भी हुई, और भर्स्तनाएँ आलोचनाएं भी हुई। इसके पीछे केन्द्र की स्वार्थता नही थी, फिर भी निंदायें हुई। प्रशंसा भी हुई। हम इसकी परवाह नही करते।

नियमानुसार इस शरद् नवरात्री 2025 को भी दशमहाविद्याओं से संन्बन्धित साधनाएं , साधकों के लिए प्रदान कर रहे है। इस बार दशमहाविद्याओं के मंत्र शाबर विधान के माध्यम से करने का निश्चय किया है। जो कलियुग मे शीघ्र सिद्धिदायक है।

साधक इस बात से अवगत रहे की स्वर्ण या धन प्रदान करने की शक्ति केवल तारा महाविद्या मे ही नही, सारे महाविद्याओं मे है। इसी बात को दृष्टी मे रखकर साधक ऐश्वर्यवान् , सामर्थ्यवान् बनने की क्रिया हर महाविद्या साधना से कर सकते है। जैसा की नवनाथों ने शाबर विधान मंत्रों से पहाडों के पत्थरों को भी स्वर्णमय बनाया था, जिसमे आचार्य नागार्जुन, श्री गोरखनाथ जी, श्री मत्स्येन्द्र नाथ जी आदि और स्वयं शंकराचार्य जी ने स्वर्ण वर्षा करवाई थी यह विदित है।

वही दशमहाविद्या साधनाओं को देने के चेष्ठा कर रहे है। साधक साधनाएं करे, अनुभव ले।

भवदीय

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)
मोबाईल- 9391029811, 9849069834.

॥ ॐ ॥ श्री गुरुचरण कमलेभ्यो नमः ॥ 卐 ॥

शरद् नवरात्री - 2025

दि. 22.09.2025 से दि. 01.10.2025 तक

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)

1. शाबर विधान महाकाली साधना

(जिसे स्वर्णकाली साधना भी कहा जाता है।)

साधक लाल वस्त्र पहने, लाल आसन पर बैठे। दक्षिण दिशा की ओर मुख हो, साबर स्वर्णकाली यंत्र लाल कपड़े पर रखे। सिंदूर और लाल कनेर के पुष्प अर्पण करे। सरसो या तिल के तेल का दीपक लगाये। काली माता का ध्यान कर या काली गायत्री मंत्र की एक (1) माला जप कर, निम्न मंत्र का एक (1) लाख जप नवरात्री मे करे।

यह रात्री कालीन साधना है। साधना पुर्ति के बाद इस यंत्र को अपने मुख्य द्वार पर लगा दे। नित्य स्वर्णकाली के पदचापों का आभास साधक को होता है और घर धन-धान्य, ऐश्वर्य एवं स्वर्ण युक्त होता है।

काली गायत्री मंत्र -

" स्वर्ण प्रदायै च विद्महे शिवासनायै च धिमही तन्नो काली प्रचोदयात् "

गणेश स्मरण एवं गुरु मंत्र की एक (1) माला अवश्य फेरे।

कालिका ध्यान -

शवारूढां महाभीमां घोरदंष्ट्रां हसन्मुखीम् ,
चतुर्भुजां खड्ग मुण्ड वराभय करां शिवाम् ।
मुण्डमाला धरां देवीं ललजिव्हां दिगम्बराम् ,
एवं संचित् येत कालीं श्मशानलय वासिनीम् ॥

मंत्र - **" ॐ नमो भगवती रक्तंपीठं नमः "**

(नित्य एक सौ पच्चीस (125) माला नवरात्री मे करे)

स्वर्ण विद्या एवं स्वर्ण प्राप्ती होगी।

सामग्री -

साबर स्वर्णकाली यंत्र
काली हकीक माला

भवदीय
श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)
मोबाईल- 9391029811, 9849069834.

॥ ॐ ॥ श्री गुरुचरण कमलेभ्यो नमः ॥ 卐 ॥

शरद् नवरात्री - 2025

दि. 22.09.2025 से दि. 01.10.2025 तक

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)

2. शाबर विधान तारा महाविद्या साधना

(स्वर्ण तारा साधना)

नवरात्री मे साधक गुलाबी वस्त्र पहने, गुलाबी आसन पर बैठकर पश्चिम या दक्षिण दिशा की ओर मुख कर, शुद्ध घृत का दीपक जलाकर **स्वर्ण तारा यंत्र** या **पारद तारा विग्रह** के सामने, गणेश स्मरण कर, गुरु मंत्र का एक (1) माला जप कर निम्न तारा मंत्र का छत्तीस (36) माला नित्य नौ (9) **दिन** जप करे। स्वर्ण सिद्धि होगी, तारा मंत्र सिद्ध होगा। तारा गायत्री मंत्र की एक (1) माला जप करे।

तारा गायत्री मंत्र - स्वर्ण तारायै च विद्महे वज्रवैरोचनियै च धिमही तन्नो देवी प्रचोदयात्।

स्वर्ण तारा ध्यानं -

देवी पन्नग भूषितां हिमरुचिं सितांषु ,
शंख प्रभां मुक्ता रत्न परित कंठ वलयां ।
रक्तांबरं बिभ्रतिं शुक्लाब्जासी गदाधरां ,
सुरगर्णै वैकुंठ मुभ्यै स्तुतां नित्यं लोक ।
त्रयैक रक्षण स्वर्ण तारां त्रिनेत्रां भजे ॥

मंत्र - "ॐ त्रिं ह्रीं ह्रां ह्रुं नमस्तारायै महातारायै सकल दुस्तरां स्तारय स्तारय तर तर स्वाहा "

आज तक जिन साधकों ने तारा साधना की है या नही की है, वे इस साधना को करने पर तारा का प्रत्यक्ष दर्शन एवं तारा कृपा प्राप्ति का अनुभव करेंगे। स्वर्ण प्राप्ती प्रति शुक्रवार को तीस (30) शुक्रवार तक होगी। गुरु पर विश्वास एवं साधना के प्रति निष्ठा अनिवार्य है।

सामग्री -
स्वर्ण तारा यंत्र
गुलाबी हकीक माला

भवदीय
श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)
मोबाईल- 9391029811, 9849069834.

॥ ॐ ॥ श्री गुरुचरण कमलेभ्यो नमः ॥ 卐 ॥

शरद् नवरात्री - 2025

दि. 22.09.2025 से दि. 01.10.2025 तक

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)

3. शाबर विधान षोडशी त्रिपुर सुन्दरी साधना

(कनकधारा त्रिपुर सुन्दरी साधना)

साधक सुनहरे (Golden) वस्त्र पहने, सुनहरे कपडे के आसन पर उत्तर या पश्चिम दिशा की ओर मुखकर बैठे, सुनहरे रेशमी वस्त्र पर कनकधारा त्रिपुर सुन्दरी यंत्र रखे, संक्षिप्त पुजा करे, श्री गणेश स्मरण करे, गुरु मंत्र की पांच (5) माला जप करे। शुद्ध घृत का दीपक जलाये। त्रिपुर सुन्दरी गायत्री मंत्र की एक (1) माला जप करे।

त्रिपुर सुन्दरी गायत्री मंत्र -

ॐत्रिपुरा देव्यै च विद्महे क्लीं कामेश्वर्यै च धीमही सौः स्तन्नः क्लीन्नै प्रचोदयात्।

त्रिपुर सुन्दरी शाबर मंत्र -

" ॐ ऐं ह्रीं श्रीं श्रीयै नमो भगवति मम समृद्धौ ज्वल ज्वल मां सर्व संपदं देही देही मम अलक्ष्मीं नाशय नाशय हुं फट् स्वाहा "

इस मंत्र की नित्य दिन और रात्री मे मिलकर छत्तीस (36) माला मंत्र जप करे।

त्रिपुर सुन्दरी माता साधक को सिद्ध रत्न प्रदान करती है। जिससे साधक धन-धान्य, ऐश्वर्य एवं सिद्धियों का स्वामी बनता है।

सामग्री -
कनकधारा त्रिपुर सुन्दरी यंत्र
सफेद हकीक माला

भवदीय
श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)
मोबाईल - 9391029811, 9849069834.

॥ ॐ ॥ श्री गुरुचरण कमलेभ्यो नमः ॥ 卐 ॥

शरद् नवरात्री - 2025

दि. 22.09.2025 से दि. 01.10.2025 तक

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)

4. शाबर विधान त्रिपुर भैरवी धनवर्षा साधना

साधक भुरे रंग के वस्त्र पहने, भुरे रंग के आसन पर बैठकर, पश्चिम दिशा की ओर मुख कर, सफेद वस्त्र पर धनवर्षा त्रिपुर भैरवी यंत्र स्थापन करे। संक्षिप्त पुजन करे। श्री गणेश स्मरण कर पांच (5) माला गुरु मंत्र जप करे। त्रिपुर भैरवी गायत्री मंत्र की एक (1) माला जप करे। साधना आरंभ करे।

त्रिपुर भैरवी गायत्री मंत्र –

ॐ त्रिपुरायै च विद्महे भैरव्यै च धीमही तन्नो देवी प्रचोदयात्।

त्रिपुर भैरवी ध्यान –

सहस्त्र कांतिं मसण क्षौभां शिरो मालीका ,
रक्तालीप्त पयोधरां जपवटिं विद्याम् भिती वराम्।
हस्ताब्जैर्दधतीं त्रिनेत्र विलसद् वक्त्रार विदं श्रियं ,
देवीं बद्ध हिमांशु रत्नमुकुटां वंदेऽरविदं स्थितां॥

शाबर त्रिपुर भैरवी मंत्र - " **ॐ हस्त्रै त्रिपुर भैरव्यै नमः** "

नवरात्री मे एक (1) लाख जप करे। लॉटरी, ट्रेडिंग मार्केट् आदि से आकस्मिक धन प्राप्ती होगी।

सामग्री -
धनवर्षा त्रिपुर भैरवी यंत्र
निली हकीक माला

भवदीय
श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)
मोबाईल- 9391029811, 9849069834.

॥ ॐ ॥ श्री गुरुचरण कमलेभ्यो नमः ॥ 卐 ॥

शरद् नवरात्री - 2025

दि. 22.09.2025 से दि. 01.10.2025 तक

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)

5. शाबर विधान भुवनेश्वरी साधना

ऋद्धी सिद्धी भण्डार भुवनेश्वरी साधना

साधक गुलाबी या काशाय रंग के वस्त्र पहने। रेशमी वस्त्र का उसी रंग का आसन पर उत्तर या पश्चिम दिशा की ओर मुख कर बैठ जाये। सामने गुलाबी वस्त्र पर भुवनेश्वरी यंत्र रखे। संक्षिप्त पुजा करे। शुद्ध घृत का दीपक जलाये। श्री गणेश स्मरण करे, गुरु मंत्र की पांच (5) माला जप करे। भुवनेश्वरी गायत्री मंत्र की एक (1) माला जप करे। भुवनेश्वरी देवी का ध्यान कर मंत्र जप आरंभ करे। नित्य सुबह, शाम छत्तीस (36) माला मंत्र जप पुर्ण नौ (9) दिन करे।

भुवनेश्वरी गायत्री मंत्र -

ॐ नारायिण्यै च विद्महे भुवनेश्वर्यै च धिमही तन्नो देवी प्रचोदयात्।

शाबर भुवनेश्वरी ध्यानं -

उद्यद्दीन ध्रुति मिन्दु किरीटां तुंग कुचां
नयन त्रय युक्तां स्मेर मुखीं वरदां कुश
पाशां भीती करां प्रभजे भुवनेशीम्।

शाबर मंत्र -

" ॐ हर त्रिपुर हर भवानी बाला राजा प्रजा मोहिनी सर्व शत्रु विध्वंसिनी मम चिंतित फलं देही देही भुवनेश्वरी स्वाहा "

इस साधना को करने से साधना को धन आगमन के अनेक स्तोत्र प्राप्त होते है। अपार धन की उपलब्धी होती है।

सामग्री -
भुवनेश्वरी यंत्र
गुलाबी हकीक माला

भवदीय
श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)
मोबाईल- 9391029811, 9849069834.

॥ ॐ ॥ श्री गुरुचरण कमलेभ्यो नमः ॥ 卐 ॥

शरद् नवरात्री - 2025

दि. 22.09.2025 से दि. 01.10.2025 तक

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)

6. शाबर विधान छिन्नमस्ता महाविद्या साधना

वज्र वैरोचनि छिन्नमस्ता साधना

साधक लाल वस्त्र पहने, लाल आसन पर पश्चिमाभिमुख बैठे, लाल वस्त्र पर छिन्नमस्ता (वज्रवैरोचनी) यंत्र रखे। संक्षिप्त पुजा करे, तेल का दीपक लगाएं , श्री गणेश स्मरण करे। गुरु मंत्र की पांच (5) माला जप करे। छिन्नमस्ता गायत्री मंत्र की एक (1) माला जप करे,और साधना आरंभ करे।

ध्यान -

प्रत्यालीढ पदां सदैव दधतीं छिन्नां शिरः कर्तृकां ,
दिव्यस्त्रां स्वकबंन्ध शोणित सुधा धारां पिबंतीं।
मुदा नागबद्ध शिरोमणीं त्रिनयनां हृदयुत्पलालंकृतां ,
रत्यासक्त मनोभव परिवृतां ध्यायेद् ज्जवा सन्निभाम् ॥

छिन्नमस्ता गायत्री मंत्र -

" ॐ वज्रचन्यै च विद्महे छिन्नमस्तायै च धीमही तन्नो देवी प्रचोदयात् "

छिन्नमस्ता देवी शाबर मंत्र -

" छिन्नमस्तिका ने महल बनाया, धन के कारण करम कराया,
तारा आयी बैठकर बोली, यह रही दुर्गा मां की टोली,
गोरखनाथ सुन छिन्नि, मै मच्छिन्दर नाथ की भाषा बोला "

नित्य इक्किस (21) माला सुबह शाम मे पुर्ण करे, नित्य नौ दिन तक करे।

अपार धन की प्राप्ती एवं प्रत्यक्ष नवनाथों के दर्शन होगे। हर कार्य मे सफलता मिलेगी।

सामग्री -
छिन्नमस्ता यंत्र
लाल स्फटिक माला

भवदीय
श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)
मोबाईल - 9391029811, 9849069834.

॥ ॐ ॥ श्री गुरुचरण कमलेभ्यो नमः ॥ 卐 ॥

शरद् नवरात्री - 2025

दि. 22.09.2025 से दि. 01.10.2025 तक

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)

7. शाबर विधान मातंगी साधना

साधक हरे वस्त्र पहने, हरे आसन पर बैठे, हरे पान के पत्ते पर श्री मातंगी महायंत्र रखे, संक्षिप्त पुजा करे। शुद्ध घृत का दीपक जलाये। पूर्व/ पश्चिम दिशा की ओर मुख करे। मातंगी गायत्री मंत्र की एक (1) माला जप करे।

मातंगी गायत्री मंत्र -

ॐ मातंग्यै च विद्महे उच्छिष्ट चाण्डालीन्यै च धिमहि तन्नो देवी प्रचोदयात्।

मातंगी शाबर मंत्र -

" ॐ नमो भगवती मातंगेश्वरी सर्व मनरंजनी सर्वेषां महातगे कुवरी के नन्द नन्द जिव्हे सिव्हे सर्व जगत् वशमानाय स्वाहा "

नित्य ऊपरी मंत्र का एक हजार (1000) मंत्र जप करे। नवरात्री मे पुर्ण दस हजार (10,000) मंत्र जप करे। नवरात्री मे स्वर्णाभुषण प्राप्त होते है इस साधना से।

सामग्री -
मातंगी यंत्र
हरी स्फटिक माला

भवदीय
श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)
मोबाईल- 9391029811, 9849069834.

॥ ॐ ॥ श्री गुरुचरण कमलेभ्यो नमः ॥ 卐 ॥

शरद् नवरात्री - 2025

दि. 22.09.2025 से दि. 01.10.2025 तक

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)

8. शाबर विधान धूमावति साधना

साधक निले या काले रंग के वस्त्र पहन कर, दक्षिण या पश्चिममुखी होकर यह साधना संपन्न करे। काले वस्त्र पर **उद्दण्ड धूमावति यंत्र** स्थापित करे। काजल का तिलक करे। काले अक्षत् चढाये। काली हकीक माला से नित्य धूमावति माला मंत्र एक सौ आठ (108) बार नित्य नवरात्री नौ (9) दिन पढे। वाद-विवाद मे भूमि या झगड़ों मे जो धन है उसकी प्राप्ती के लिए यह साधना अनिर्वचनीय है। सिद्धिप्रद है।

पहले गणेश स्मरण करे, गुरु मंत्र की पांच (5) माला जप करे। शुद्ध घृत का दीपक जलाये। धूमावती गायत्री मंत्र जप एक (1) माला करे।

धूमावती गायत्री मंत्र - ॐ धूमावत्यै च विद्महे संहारिण्यै च धीमही तन्नो धूमा प्रचोदयात् ।

धूमावती ध्यानं - विवर्णा चंचला दुष्टा च मलीनाम्बरा विमुक्त कुंतला विधवा
विरल द्विजा काक ध्वजा रथा रुढा विलंबित पयोधरा ।
शुर्प हस्ताति रुक्षा क्षा धुण हस्ता वरानना प्रवृद्ध धोणा सुभृशं ,
कुटीला कुटीलेक्षणा क्षुत्पिपासादितां नित्यं अभयदा कलहा स्पदा ॥

श्री धूमावती माला मन्त्र -

" ॐ धूं धूमावति चतुर्दश भुवन निवासिनि सकल ग्रहोच्चाटनि, सकल शत्रु रक्तमांस भक्षिणि, मम शरीर रक्षिणि भूतप्रेत पिशाच ब्रह्म राक्षसादि, सकल ग्रह संहारिणि मम शरीर परतन्त्र-परयन्त्र-परतन्त्र निवारिणि, आत्म मन्त्र यन्त्र तन्त्र प्रकाशिनि, मम शरीरे परकट्टु-परवाटु-परवेट्टु-परजप-परहोम-परशून्य-परवृष्टि-परकौतुक-परौषधादिच्छेदिनि, चिट्टेरि-काहेरि-कन्नेरि-पाट्टेरि शुनक काट्टेरि-प्ररिटि काट्टेरि-दर्भकाट्टेरि-पाताल काट्टेरि-सकल जाति काट्टेरि-ग्रहच्छेदिनि, मम नाभि-कमल स्थान-संचार ग्रह संहारिणि, धूम्रलोचनि उग्र रूपिणि, सकल विषच्छेदिनि, सकल विष संचायन् नाशय नाशय, मारय मारय, विषमज्वर-तापज्वर-शीतज्वर-वातज्वर-लूतज्वर-पयत्यज्वर-पिशाचज्वर-कृत्रिमज्वर-नाना दोषज्वर, सकल रोग निवारिणि, सकल ग्रहच्छेदिनि, शिरः शूलाक्षिशूल-कुक्षिशूल कर्णशूल-नाभिशूल-कटिशूल-पार्श्वशूल-गण्ड शूल-गुल्म शूलांगशूल-सकल शूलान् , निर्धूमय सकल ग्रहान् निवारय निवारय, रां रा रां रां रां, क्षां क्षां क्षां क्षां क्षां, ख्रैं ख्रैं ख्रैं ख्रैं ख्रैं, ध्रूं ध्रूं ध्रूं ध्रूं ध्रूं , फ्रें फ्रें फ्रें फ्रें फ्रें, धूं धूं धूं धूं धूं धूमावती मां रक्ष रक्ष शीघ्र शीघ्रमागच्छागच्छ क्षिप्रमेवारोग्यं कुरु कुरु हुं फट धूं धूं धूंमावति स्वाहा "

सामग्री -
धूमावती यंत्र
काली हकीक माला

भवदीय
श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)
मोबाईल - 9391029811, 9849069834.

॥ ॐ ॥ श्री गुरुचरण कमलेभ्यो नमः ॥ 卐 ॥

शरद् नवरात्री - 2025

दि. 22.09.2025 से दि. 01.10.2025 तक

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)

9. शाबर विधान बगलामुखी साधना

साधक पिला वस्त्र पहने, पिले आसन का उपयोग करे। उत्तर दिशा या पश्चिम दिशा की ओर मुख करे। बगलामुखी यंत्र स्थापन करे। पिला चंदन, पिले पुष्प समर्पित करे। गाय घृत का दीपक जलाये। श्री गणेश स्मरण करे, गुरु मंत्र की पांच (5) माला जप करे। बगला गायत्री मंत्र की एक (1) माला जप करे। निम्न मंत्र का एक (1) लाख माला जप करे नवरात्रि मे।

बगला गायत्री मंत्र -

ॐ ब्रह्मस्त्रायै च विद्महे स्तंभन बाणायै च धीमही तन्नो बगला प्रचोदयात्।

बगला ध्यानं - सुवर्णां भरणां देवि पितमाल्याम्बरा वृताम्,
ब्रह्मास्त्रं विद्यां बगलां वैरिणीं स्तंभीनीं भजे।

बगला मंत्र - " श्रीं ह्रीं ऐं भगवति बगले मे श्रियं देहि देहि स्वाहा "

कर्जा उतारने, डुबा हुआ धन प्राप्त करने, बन्द व्यापार खुलवाने या ऐश्वर्यवान्, सम्पन्नवान् बनने के लिए यह मंत्र रामबाण की तरह काम करता है।

सामग्री -
बगलामुखी यंत्र
पिली हकीक माला

भवदीय
श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)
मोबाईल- 9391029811, 9849069834.

॥ ॐ ॥ श्री गुरुचरण कमलेभ्यो नमः ॥ 卐 ॥

शरद् नवरात्री - 2025

दि. 22.09.2025 से दि. 01.10.2025 तक

श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)

10. शाबर विधान कमला महाविद्या साधना

शाबर धन प्राप्ती साधना

साधक गुलाबी रंग के वस्त्र पहने, गुलाबी आसन पर बैठे। गुलाबी वस्त्र पर कमलात्मिका यंत्र रखकर संक्षिप्त पुजा करे, श्री गणेश स्मरण करे, गुरु मंत्र की पांच (5) माला करे। शुद्ध घृत का दीपक जलाये। मातंगी गायत्री मंत्र की एक (1) माला जप करे। इसके बाद शाबर विधान मंत्र का एक (1) लाख जप करे।

कमलात्मिका गायत्री मंत्र -

ॐ कमलात्मिकायै च विद्महे महा विधायै च धीमही तन्नो श्रीः प्रचोदयात् ।

शाबर कमला मंत्र -

"ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद
श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्म्यै नमः "

सामग्री -
कमला यंत्र
कमलगट्टी माला

भवदीय
श्री निखिल चेतना केन्द्र हैदराबाद (तेलंगाणा)
मोबाईल- 9391029811, 9849069834.